ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-07-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-07-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-07-24	2024-07-25	2024-07-26	2024-07-27	2024-07-28
वर्षा (मिमी)	6.0	6.0	8.0	5.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	37.0	32.0	36.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	28.0	27.0	28.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	68	73	76	74
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	46	43	58	48	48
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	23	24	21	19	18
पवन दिशा (डिग्री)	216	220	211	203	219
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई फसलों की बुवाई जल्दी से जल्दी पूरी करें। बाजरा की एम.पी.एम.एच-17, एच.एच.बी-67(इम्प्रूड) । ग्वार की आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033 उन्नत किस्म की बुवाई करें । फसलों की बुआई वर्षा को ध्यान में रखकर करनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

जहां खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध हो वहां खरीफ फसलों की बुवाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	यदि बाजरा की बुवाई जून महा में कि गई है तो फसल में वर्षा के बाद 20 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से बुआई के 25 से 30 दिन बाद वर्षा के साथ दें।
रेंड़ी	अरण्डी की बुवाई हेतु दो अच्छी जुताई कर खेत तैयार करें तथा जी.सी.एच-4, जी.सी.एच-5, आर.एच.सी-1, डी.सी.एस-9 व जी.सी.एच-7 उन्नत किस्मों है। बुवाई हेतु 12-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है। अन्तिम जुताई के समय 20 किलो नत्रजन व 20 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	आने वाले दिनों में बारिश की संभावना के कारण यदि पशु बाड़े में तथा पशु बाड़े के आसपास जल भराव हो सकता हैं जिससे मच्छर मक्खी का प्रकोप हो सकता है अतः खड़े पानी को निकलने की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	किसान भाई समय पर बोई गई बाजरा, मूंग, मोठ, ग्वार, तिल आदि फसलों में खरपतवार नियत्रण, मृदा में उचित वायु संचारण के लिए नराई-गुडाई करें।
सामान्य सलाह	किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों पर किसी भी प्रकार का छिड़काव वर्षा के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करें।